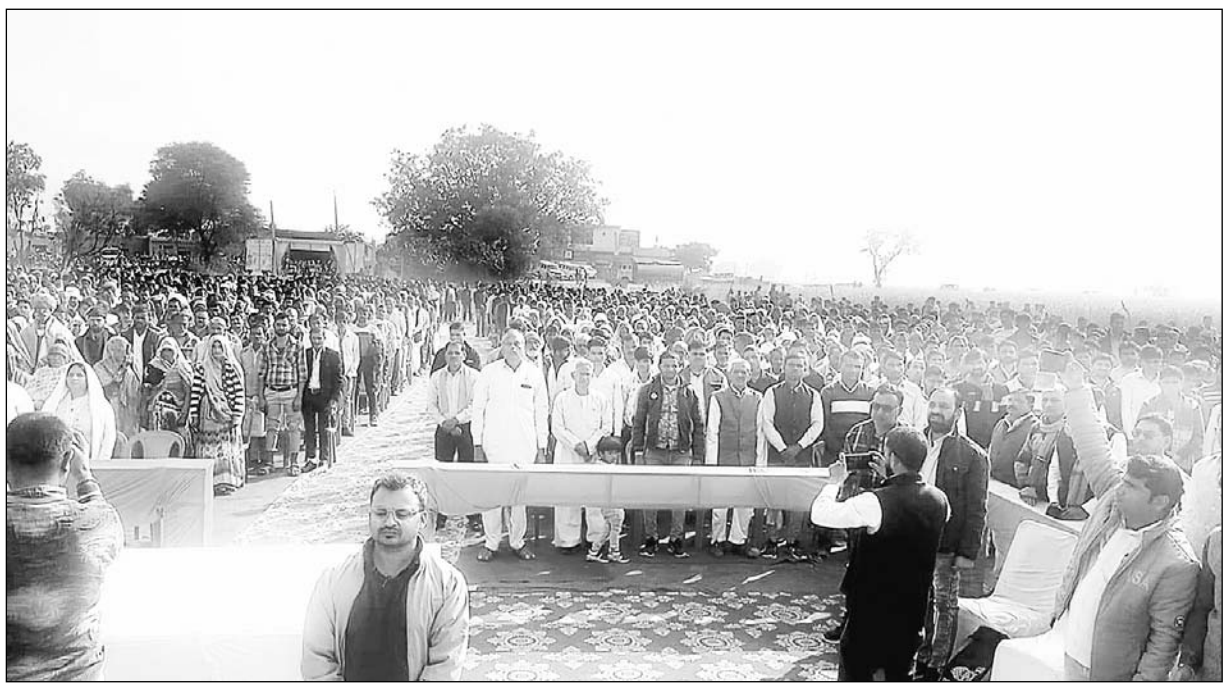

'विवाद सुलझाने के लिए आया हूँ फाइव स्टार में बैठने के लिए नहीं'

राजस्थान में कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पायलट-गहलोत विवाद पर अपनी ओर से स्थिति स्पष्ट की

- रंधावा से मिलकर रघु शर्मा ने कहा- ''कार्यकर्ता आलाकमान और संगठन के प्रति निष्ठा रखें, व्यक्तिगत निष्ठा से पार्टी नहीं चलती।''
- रंधावा ने संगठन के बारे में कहा कि, उनका पहला टारगेट जिला, ब्लॉक व कार्यकारिणी में नियुक्तियाँ करना है, जो वो अगले दो दिन में पूरा कर लेंगे।

जयपुर, 30 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा 3 दिन से जयपुर में हैं। इस दौरान उन्होंने जयपुर में कांग्रेस के सभी विधायकों, विधायक प्रत्याशी, सांसद प्रत्याशी तथा सहित मंत्री परिषद से चर्चा की। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट और स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी से उनके निवास पर जाकर चर्चा की है। इसी के साथ उन्होंने अग्रिम संगठन के नेताओं से भी मिलकर फीडबैक लिया है। इस कवायद के बाद में उम्मीद जगी है कि पार्टी में सत्ता और संगठन में जो नियुक्तियां बाकी हैं, उन पर जल्द ही निर्णय हो जाएगा। वहीं जिन बातों को लेकर नाराजगी है,उन्हें भी दूर किया जाएगा।3 दिन तक की इस फीडबैक कवायद के दौरान सबसे बड़ी बात यही उभरकर आई है कि अधिकांश नेता और कार्यकर्ता यही चाहते हैं कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच की जो तनातनी है, उसे समाप्त किया जाना जरूरी है। सभी नेताओं से फीडबैक लेने के बाद रंधावा ने मीडिया से बात की और पायलट-गहलोत विवाद पर कहा कि राजस्थान में नेताओं के बीच चल रहा विवाद सुलझाना उनका काम है। वो यहां फाइव स्टार में बैठने के लिए नहीं आए हैं। उनका काम लोगों के बीच बैठना व उनकी समस्याओं का निराकरण करना है, ताकि आगे किसी भी प्रकार की समस्या शेष न रह जाए।

उन्होंने आगे कहा कि अभी उनका पहला टारगेट राजस्थान में जिला, ब्लॉक व प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में नियुक्तियां करना है। इस काम को वो अगले एक-दो दिन में पूरा कर लेंगे। रंधावा ने कहा कि अभी वो विधानसभा का टिकट देने नहीं आए हैं। फिलहाल वो संगठन का काम करने आए हैं और वैसे भी विधानसभा चुनाव में टिकट सर्वे के आधार पर दिए जाएंगे। सर्किट हाउस में कई नेताओं - कार्यकर्ताओ से मुलाकात के बाद रंधावा ने पत्रकारों से कहा कि वे पिछले दो दिन से लगातार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर फीडबैक ले रहे हैं। ऐसे में एक-दो दिन में जिला, ब्लॉक व राज्य स्तरीय संगठन में शेष बची नियुक्तियों को वो पूरा कर देंगे।

इस बीच रंधावा से मिलने के बाद पूर्व मंत्री रघु शर्मा ने कहा कि राजनीतिक पार्टी में कार्यकर्ता को आलाकमान और संगठन के प्रति निष्ठा रखनी चाहिए, क्योंकि व्यक्तिगत निष्ठा से पार्टी नहीं चलती। उन्होंने राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन के सवाल पर कहा कि ऐसी बातें कैमरे पर नहीं होती हैं, लेकिन वन टू वन चर्चा में हर तरीके की बात होती है। शर्मा ने कहा कि वो 40 साल से कांग्रेस कार्यकर्ता हैं। आलाकमान के प्रति हमेशा लॉयल रहे हैं और जो आलाकमान कहता है वो उसे मानते हैं।

उन्होंने कहा कि उनका स्टैंड क्लियर है। उनका नेता एक है और जो पार्टी आलाकमान फैसला करती है वो उसी के साथ खड़े रहेंगे। शर्मा ने आगे कहा कि वो पार्टी के वफादार हैं और 25 सितंबर को मुख्य सचेतक की ओर से बुलाई गई विधायकों की बैठक में भी शामिल होने के लिए सीएम आवास गए थे। जहां वो रात दो बजे तक ठहरे भी थे। विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं होने वाले नेताओं को लेकर उन्होंने कहा कि वो किसी के लिए टिप्पणी नहीं करेंगे,लेकिन हाईकमान सब देख रहा है। हर आदमी से यही उम्मीद है कि वो आलाकमान के प्रति वफादारी दिखाएं। संगठन के प्रति निष्ठा रखें, क्योंकि व्यक्तिगत निष्ठा से पार्टी नहीं चलती है। शर्मा ने कहा कि रंधावा सुलझे हुए व अनुभवी इंसान हैं। साथ ही पार्टी के कमिटेड नेता हैं, जिनसे प्रदेश की सियासत को लेकर उनकी बातचीत हुई है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि वो प्रदेश की उलझी सियासी परिस्थितियों को बहुत जल्द सुलझा लेंगे।

धौलपुर में राजाखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में हुई भाजपा की जनाक्रोश सभा में लोगों की भारी भीड़ देखी गई। सभा को राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के उपनेता राजेन्द्र राठौड़, पूर्व मंत्री मदन दिलावर तथा भाजपा सांसद मनोज राजौरिया ने संबोधित किया।

'पेपर लीक करने वालों पर योगी सरकार की तर्ज़ पर बुलडोज़र चलना चाहिए'

धौलपुर में हुई जनाक्रोश सभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ ने यह भी कहा कि, दलित अत्याचार में राजस्थान, भारत में दूसरे नम्बर पर है

- सभा को संबोधित करते हुए भाजपा नेता मदन दिलावर ने गहलोत सरकार को अली बाबा और चालीस चोरों की सरकार बताया।

धौलपुर, 30 दिसम्बर (निस)। राजाखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांव पहाड़ी मरैना पीतम गिरी बाबा पर आज शुक्रवार को भाजपा की जनाक्रोश सभा आयोजित की गई। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के उपनेता राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं पूर्व मंत्री मदन दिलावर, सांसद मनोज राजोरिया एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवन कुमार वर्मा ने सभा को संबोधित किया।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि पेपर लीक करने वालों पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तर्ज़ पर बुलडोजर चलना चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार पर कई आरोप लगाए और कहा कि दलित अत्याचार में राजस्थान भारत में दूसरे नम्बर पर है, किसानों का अपमान हो रहा है, धौलपुर ज़िला परिवहन विभाग की अवैध वसूली निरंतर जारी है । धौलपुर की जनता के साथ किया गया अन्याय सूद सहित वसूला जाएगा। पूर्व मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान में गोवंश की बहुत ही दुर्दशा है, एक विशेष वर्ग को बचाया जा रहा है, मंदिर तोड़ने में राजस्थान की गहलोत सरकार सबसे आगे है। किसानों को खाद नहीं मिल रही है, सिर्फ रात्रि में ही सीमित समय के लिए बिजली मिल रही है, राजस्थान में अलीबाबा चालीस चोर की सरकार है। एक सर्वे के अनुसार राजस्थान में 70 फीसदी लोग रिश्वत देकर अपना काम करवा रहे हैं।

सांसद मनोज राजोरिया ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार द्वारा दी गई योजनाओं को यहां के विधायक अपना बताकर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

जिला अध्यक्ष श्रवण कुमार वर्मा ने कहा कि वह दिन दूर नहीं कि धौलपुर की चारों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के विधायक बैठेंगे और राज्य में भारी बहुमत से मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार आएगी।

वर्मा ने आगंतुकों को धन्यवाद भी दिया। इस अवसर पर जन आक्रोश यात्रा प्रभारी हेमेंद्र वशिष्ठ, सह संयोजक सोवरण सिंह गलेथा, जयवीर पोशवाल, नागवेंद्र सिंह, मरेना मंडल अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा, विशम्भर दयाल शर्मा, सतेंदर पाराशर, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ.विष्णु शर्मा, रामवीर शर्मा,भूपेंद्र घुरईया, बॉबी परमार, पंडित मधुसूदन शर्मा, मुकेश हनुमानपुरा, हरिनिवास प्रधान, कुक्कू शर्मा, दुष्यंत शर्मा, शिवशंकर परिहार आदि उपस्थित रहे।

प्र.मंत्री मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मैं पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं। परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

धनखड़ ने एक बयान में कहा कि वह सरलता की प्रतिमूर्ति और माँ की ममता का प्रतीक थी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री की मां हीरा बा के निधन से गहरे दुख में हूं।

क्या ''होनहार पुत्र'' गुलाम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में जम्मू कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री ताराचन्द का नाम लिया जा सकता है जो कांग्रेस छोड़कर आज़ाद की पार्टी में शामिल हुये थे। ताराचन्द ने अब डैमोक्रेटिक आज़ाद पार्टी भी छोड़ दी है। कांग्रेस से आज़ाद के संबंध-विच्छेद का अन्त बहुत तिक्ततापूर्ण रहा था, क्योंकि इस वरिष्ठ नेता ने पार्टी नेतृत्व तथा खासतौर से राहुल गांधी को फटकार लगाई थी। सोनिया गांधी को लिखे गये कड़े-प्रहारों से भरे पाँच पृष्ठों के उस त्याग पत्र में, उन्होंने सोनिया गांधी को ''नाम मात्र का अध्यक्ष'' कहा था, जिनके नाम पर निर्णय लेने का काम राहुल गांधी या उनके पी.ए. तथा सिक्योरिटी गार्ड करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी को भी ''नॉन-सीरियस तथा अपरिपक्व व्यक्ति'' बताया था।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव, जो 2023 में हो सकते हैं, के अवसर पर, कांग्रेस नेतृत्व अतीत की इन तुच्छ बातों को भूलने तथा माफ कर देने के लिये तैयार हो सकता है, बशर्ते कि अपनी सोच में कुछ सुधार लायें। कांग्रेस के रणनीतिकार ऐसा मानते हैं कि ऐसी पूरी-पूरी संभावना दिखाई दे रही है कि जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों में आज़ाद की पार्टी की मौजूदगी से, विशेषकर जम्मू क्षेत्र में गैर-भाजपा वोट कटेंगे, जिसका सीधा नुकसान कांग्रेस को होगा। समझा जाता है कि अम्बिका सोनी ने आज़ाद को सलाह दी है कि वे भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हों तथा राहुल गांधी के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करें।

कोटपूतली में तोड़-फोड़ की कार्यवाही पुन: शुरु?

- इस मामले में हाई कोर्ट में वर्ष 2022 में 40 से अधिक याचिकायें दायर की गई थीं, क्योंकि याचिकाकर्ताओं का कहना था कि, अगस्त माह में की गई तोड़-फोड़ की कार्यवाही से पहले उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया था और उनकी आपत्तियों की कोई सुनवाई नहीं की गई थी।
- बिना नोटिस दिये कार्यवाही करने के कारण हाई कोर्ट में सभी अवमानना याचिकायें लंबित हैं, जिसमें नगर परिषद् आयुक्त से जवाब तलब किया गया है।
- किंतु, कोटपूतली में एक अन्य सड़क पर तोड़-फोड़ की कार्यवाही शुरु किये जाने की सूचना से नगरवासी हैरान हैं और आक्रोश का माहौल है।

कोटपूतली, 30 दिसम्बर। (निसं)। स्थानीय नगर परिषद् द्वारा कोटपूतली के मास्टर प्लान 2011-31 व रियासतकालीन (खेतड़ी ठिकाना) के नक्शे अनुसार सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने के लिए निरन्तर संरचनाओं को हटाने का कार्य किया जा रहा है।

गौरतलब है कि विगत अगस्त माह में परिषद् द्वारा मुख्य चौराहे से पुरानी नगर पालिका तिराहे तक सड़क की चौड़ाई 80 फीट व पूतली कट से बानसूर मोड खण्ड के सरदार स्कूल से शनि मंदिर तक की सड़क को 60 फीट चौड़ा करने की कार्यवाही शुरू की थी। जिसमें अब तक 95 फीसदी से अधिक निर्माण हटाये जा चुके हैं।

परन्तु नगर परिषद द्वारा नोटिस नहीं दिये जाने के संबंध में कई मामले हाईकोर्ट में लम्बित हैं। हाल ही में न्यायधीश एस. एन . श्रीवास्तव और न्यायाधीश विनोद भारवानी की खण्ड पीठ ने कोटपूतली नगर परिषद् आयुक्त फतेह सिंह मीणा को नवम्बर में ही इस मामले में जबाव तलब किया था और पूछा था कि क्यों नगर परिषद् ने तोड़-फोड़ की कार्यवाही करने से पूर्व मकानों और दुकानों के मालिकों को पून: नोटिस भेजकर उनकी आपत्तियों पर सुनवाई क्यों नहीं की।

जैसा कि विदित है कि, हाईकोर्ट ने इस सम्बंध में सुनवाई करते हुए विगत 25 फरवरी 2022 को तत्काल कोटपूतली नगर पालिका को आदेश दिये थे कि, वह सभी याचिकाकर्ताओं को नोटिस भेजकर उनकी आपत्तियां सुने और उसके पश्चात ही कोई कार्यवाही करे। अदालत ने तत्कालीन नगर परिषद् को कहा था कि, सम्पत्ति मालिकों के दस्तावेज जांच कर कार्यवाही के बाबत स्पीकिंग ऑर्डर जारी करने के लिए कहा गया था। परन्तु, हाई कोर्ट में करीब 40 से अधिक याचिका दायर की गई जिसमें याचिकाकर्ताओं का कहना है कि, वर्तमान नगर परिषद् ने हाई कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं की और ¬अगस्त माह में फिर से तोड़-फोड़ की कार्यवाही की और किसी भी याचिकाकर्ता को सुनवाई के लिए नोटिस जारी नहीं किये थे। इन मामलों से जुड़ी अवमानना याचिका पर हाई कोर्ट में जनवरी के पहले सप्ताह में सुनवाई होने की संभावना जताई जा रही है। बहरहाल, परिषद आयुक्त फतेह सिंह मीणा के मुताबिक जिन लोगों द्वारा निर्माण नहीं हटाये जायेंगे, उनके निर्माण नगर परिषद द्वारा हटाया जाकर जुर्माना वसूली की कार्यवाही की जायेगी।

बिहार भाजपा के उपाध्यक्ष को पार्टी ने निष्कासित किया

भाजपा का आरोप है कि राजीब रंजन नीतीश कुमार से नजदीकी बढ़ा रहे थे तथा अक्सर पार्टी विरोधी बयानबाजियां कर रहे थे

पटना, 30 जनवरी। बिहार भाजपा ने अनुशासनहीनता के लिए अपने एक उपाध्यक्ष राजीब रंजन को निलंबित कर दिया। पार्टी ने राज्य इकाई के प्रमुख संजय जायसवाल का 29 दिसंबर को जारी एक पत्र साझा किया। हालांकि, इसके तुरंत बाद रंजन ने दावा किया कि उन्होंने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से खुद ही इस्तीफा दिया है।

गौरतलब है कि, राजीब रंजन नीतीश के करीबी लोगों में से एक रहे हैं माना जा रहा है कि, इन दिनों वे चोरी छुपे नीतीश से एक बार फिर नजदीकियां बढ़ा रहे थे। भाजपा को इस बात की पहले से ही भनक लग चुकी थी उनको बार-बार चेतावनी भी दी गई थी।

बिहार भाजपा अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा कि राजीब रंजन को मौखिक रूप से चेतावनियां दी गई थीं पर वो उनकी अनदेखी करते हुए पार्टी लाइन के विपरीत बयान देते रहे। जायसवाल ने इसके लिए उन्हें फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि प्रदेश उपाध्यक्ष रहते हुए राजीब के बयान अशोभनीय हैं। ये और पार्टी की प्रतिष्ठा पर भी गलत असर डालते हैं।

उन्होंने कहा कि राजीब रंजन को उनके पद से मुक्त कर छह साल के लिए पार्टी से निलंबित किया जाता है। खास बात यह है कि भाजपा ने शुक्रवार दोपहर तक इस पत्र को सामने नहीं रखा। उसने इसे तब जारी किया, जब रंजन ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि पार्टी दलितों और ओ.बी.सी. के प्रति अच्छा रवैया नहीं रखती है। राजीब रंजन ने कहा कि पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के नारे से भटक गई है। बिहार में एजेंडा पटना केंद्रित हो गया है। उनके पैतृक जिला नालंदा भी भाजपा के लिए दोयम दर्जे की जगह है। बीजेपी जिस तरह की राजनीति कर रही है वो उनकी समझ से परे है। पार्टी के अंदर का यह घमासान ऐसे समय में सामने आया है, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा 3 जनवरी को प्रदेश के दौरे पर आने वाले हैं। राजीब रंजन, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जनता दल (यूनाइटेड) के साथ रहे हैं।

मुंबई में 140 किलो नशीली दवायें बरामद

- मुंबई सीमा शुल्क विभाग के अनुसार इन नशीली दवाओं का बाजार मूल्य 538 करोड़ रु. है।

मुंबई, 30 दिसंबर (वार्ता)। मुंबई सीमा शुल्क, जोन-3 ने शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय अवैध बाजार में 140.57 किलो तक दवाओं को नष्ट कर दिया जिसकी कीमत 538 करोड़ रुपये तक आंकी गयी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी।

आधिकारिक बयान में बताया गया कि जोन-3 के तहत मुंबई सीमा शुल्क के तीन आयुक्तालयों ने अवैध दवाओं को जब्त करके, नष्ट कर दीं।

नष्ट की गई दवाओं में 56.06 किलो हेरोइन और 33.81 किलो हशीश शामिल हैं।

बयान के मुताबिक, एयर कार्गो एक्सपोर्ट आयुक्तालय ने 21.70 किलो हशीश और डी.आर.आई. ने 29 किलोग्राम हेरोइन जब्त की।

यूक्रेन ने यू.एन. के तत्वावधान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एजेन्सी की रिपोटर्स कहते है कि मॉस्को ने कीव के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है और इसकी तुलना ''कम्प्यूटर एंटर'' अर्थात ''404 एंटर'' से की है। न्यूज़ एजेंसी एसोसिएटेड प्रैस को दिए एक साक्षात्कार में यूक्रेन के विदेश मंत्री दमाइत्रो कुलेबा ने कहा कि कीव चाहता है कि दो माह के भीतर एक शांति सम्मेलन हो और रूस से युद्ध का अंत हो जाए।

कुलेबा ने कहा कि उन्हें रूस के शामिल होने की उम्मीद नहीं है उन्होंने यह भी कहा कि 2023 में युद्ध जीतने के लिए जो भी संभव हो रूस वह सब करेगा। कुलेबा ने कहा, हरेक युद्ध कूटनीतिक तरीकों से खत्म होता है और हरेक युद्ध रण भूमि में की गई कार्यवाही और वार्ता टेबल पर उठाए

रूस के यू.एन. में फर्स्ट डिपुटी परमानैंट रिप्रैज़ेन्टेटिव दमित्री पॉल्यानस्की ने कीव के प्रस्ताव पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा ''रूस के बिना कौनसा शांति सम्मेलन हो सकता है?''

कुलेबा के शांति प्रस्ताव का उल्लेख करने के अलावा पॉल्यानस्की ने जोर दिया कि यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने एक विस्तृत बयान जारी कर आरोप लगाया है कि रूस ने संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता अवैध तरीके से हासिल की थी इसलिए इसे निकाला जाए।

पॉल्यानस्की के अनुसार यू.एन. सुरक्षा परिषद में किसी ने भी यू.एन. में यूक्रेन के स्थायी सदस्य सर्गेई किसलित्सा के बयानों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पॉल्यानस्की ने कहा कि, अगर हम इन दोनों बातों को साथ लाएं तो दोनों ही परस्पर विशिष्ट हैं इसलिए रूस के बिना कौनसा शांति सम्मलेन हो सकता है।

पॉल्यानस्की ने कहा, यूक्रेन बिना शांति सम्मेलन की कल्पना बेहद आसान है, पर ऐसा होना तमाम कुलेबा और किसलित्सा के लिए बुरे सपने जैसे होंगे।

अक्टूबर मे जी-7 को संबोधित करते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ैलेन्स्की ने इस स्टैप शांति फॉर्मूला का प्रस्ताव रखा था जिसमें एक वॉर ट्राइब्यूनल का प्रस्ताव था ताकि कीव में किए गए युद्ध अपराधों के लिए क्रैमलिन को दोषी ठहराया जा सके।

पिता पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थित पिता के घर छोड़ा था। वहीं लॉकडाउन खत्म होने के बाद याचिकाकर्ता और उसके पिता ने मुकेश कुमार को कई बार कहा कि, वह उन्हें वापस ले जाए। इसके बावजूद भी मुकेश उन्हें लेने नहीं आया। याचिका में कहा गया कि, गत सात दिसंबर को मुकेश कुमार घर के बाहर खेल रहे दोनों बच्चों का अपहरण कर अपने साथ ले गया और उन्हें बंधक बना लिया। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने गुमशुदगी कराने के लिए थाने में परिवाद दिया, लेकिन पुलिस ने उसे दर्ज नहीं किया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता की संतानों को उसके पिता से रिहा कराया जाए। सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने मुकेश कुमार को नोटिस जारी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता को दोनों बच्चों को दस जनवरी को अदालत में पेश करने को कहा है।

ओ.बी.सी. आरक्षण लागू करवाने की जद्दोजहद में योगी सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुँची

योगी सरकार चाहती है कि, निकाय चुनाव से पहले ओ.बी.सी. आरक्षण लागू हो जाये ताकि इसका पार्टी राजनीतिक लाभ ले सके

- गौरतलब है कि, निकाय चुनाव में ओ.बी.सी. आरक्षण की घोषणा पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गत दिनों रोक लगा दी थी।

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (वार्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने शहरी क्षेत्र के स्थानीय निकाय के चुनावों में अन्य पिछड़ी जातियों (ओ.बी.सी.) को आरक्षण देने के प्रावधान वाली अधिसूचना रद्द करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को त्रुटिपूर्ण करार देते हुए गुरुवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 27 दिसंबर के अपने फैसले में ओ.बी.सी. आरक्षण के प्रावधान को रद्द करते हुए राज्य सरकार को बिना ओ.बी.सी. आरक्षण तत्काल चुनाव कराने का आदेश दिया था। उच्च न्यायालय ने राज्य के कई नगर पालिकाओं के कार्यकाल 31 जनवरी 2023 को समाप्त होने के तथ्य पर गौर करते हुए बिना ओ.बी.सी. आरक्षण तत्काल चुनाव कराने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत के समक्ष दायर याचिका में राज्य सरकार ने तर्क देते हुए कहा है कि उच्च न्यायालय ने स्थानीय शहरी निकायों के चुनाव में ओ.बी.सी. के लिए सीटों में आरक्षण के प्रावधान संबंधी 5 दिसंबर की अधिसूचना के प्रारुप को रद्द नहीं कर सकती।

द्रव्यवती नदी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को पक्का कर उसकी नियमित साफ-सफाई करने और वहां पर गंदगी नहीं होने की जिम्मेदारी दी गई थी। प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया है कि, गत दस नवंबर को प्रार्थी परिवार सहित द्रव्यवती नदी को देखने गया तो वहां जगह-जगह गंदगी मिली। इसके साथ ही नदी से निकाले गए कचरे को भी वहीं पटका हुआ था। जबकि प्रोजेक्ट के अनुसार नदी में बहने वाले पानी को ट्रीट करके साफ किया जाना था। नदी के पानी में आ रही भयंकर बदबू व गंदगी से परिवादी की तबीयत खराब हो गई। इतना ही नहीं, गंदगी के कारण आस-पास के लोगों व यहाँ पर घूमने आने वालों का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि, जेडीए व टाटा प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी है कि वे नदी को साफ-सुथरा रखें व उसमें गंदगी नहीं होने दें, लेकिन दोनों की लापरवाही के चलते द्रव्यवती नदी में गंदगी के ढेर लगे हुए हैं, इसलिए अदालत द्वारा जेडीए व टाटा प्रोजेक्ट को निर्देश दिए जाएं कि वे नदी को साफ-सुथरा रखें और उसमें गंदगी नहीं होने दें। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए अदालत ने जेडीए और टाटा प्रोजेक्ट से जवाब तलब किया है।

1979 में इंदिरा गांधी के समय कांग्रेस के पास केवल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ अशोक गहलोत ने सार्वजनिक रुप से तथा खुले आम अपशब्दों का प्रयोग किया हो, लेकिन केन्द्रीय नेतृत्व ने गहलोत ने डॉट-फटकार तक नहीं लगाई।

विधानसभा चुनावों में अब एक साल से कम समय रह गया है तथा बुरी तरह से बँटी हुई भाजपा को केवल इस एक ही बात का सहारा है कि गांधी परिवार अशोक गहलोत को ही मुख्यमंत्री बना रहने दे। यह स्थिति भाजपा नेतृत्व के अनुकूल रहेगी क्योंकि गहलोत मुख्यमंत्री रहते, भाजपा अपनी आसान जीत के प्रति आश्वस्त है। इस साल ने गहलोत को प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने सम्बंध सुधारते भी देखा है। यह वर्ष इस बात का भी साक्षी है कि अडानी ग्रुप, संभवत: नरेन्द्र मोदी के इशारे पर, अशोक गहलोत की मदद के लिये आया था तथा बहुत बड़ी पूँजी के लगातार निवेश पर सहमति बन गई थी।

घोर आश्चर्य की बात यह रही कि राहुल गांधी, जो अम्बानी एवं अडाणी के कटु आलोचक हैं, ने गौतम अडाणी द्वारा अशोक गहलोत के साथ हाथ मिलाने पर कोई खास टिप्पणी तक नहीं की। अच्छे इरादों तथा निर्विघ्न ड्राइविंग वाला रास्ता अपार दौलत ही प्रशस्त किया करती है। राहुल गांधी भले ही नैतिकता पर कितने ही भाषण देते हैं, कितने ही ट्वीट करते हो, लेकिन वे भी दौलत के इस प्रकरण में अपवाद नहीं हैं।

गहलोत के नेतृत्व में, पार्टी ने कोई भी चुनाव नहीं जीता है लेकिन फिर भी पार्टी उनके खिलाफ कदम उठाने से डरती है। कांग्रेस एक ऐसी पार्टी बनकर रह गई है, जिसका नेतृत्व ऐसे चाटुकारों और चापलूसों से घिरा रहता है, जो स्वयं तो कोई चुनाव जीत नहीं सकते, लेकिन नेतृत्व को यह सलाह जरुर देते रहते हैं कि चुनाव कैसे (नहीं) जीता जाता है।

गहलोत के कुशासन तथा गांधी परिवार के कमजोर नेतृत्व का खामियाजा एवं आघात जितना राजस्थान ने भुगता है, उतना किसी अन्य राज्य ने नहीं भुगता।

अगर एकाएक तथा जबरदस्त सर्जरी नहीं की गई, तो ऐसे हालात के चलते अगले वर्ष कांग्रेस पार्टी सर्वनाश की स्थिति तक पहुंच जायेगी।

सरकार दो लाख मेगा डेयरियां खोलेगी देश में

मांड्या, 30 दिसंबर (वार्ता)। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि तीन साल में ग्रामीण स्तर पर दो लाख प्राथमिक डेयरियां स्थापित कर भारत दुग्ध क्षेत्र में बड़ा निर्यातक बनकर उभरेगा।

शाह ने यहां मेगा डेयरी का उद्घाटन करने के बाद कहा कि तीन साल में देश भर में ग्रामीण स्तर पर दो लाख प्राथमिक डेयरियां स्थापित की जाएंगी, जिसके माध्यम से देश के किसानों को श्वेत क्रांति से जोड़कर भारत दुग्ध क्षेत्र में एक बड़ा निर्यातक बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि 260 करोड़ रुपये की लागत वाली मेगा डेयरी प्रतिदिन 10 लाख लीटर दूध का प्रसंस्करण करेगी और इसे बढ़ाकर 14 लाख लीटर प्रतिदिन करने की क्षमता होगी। जब 10 लाख लीटर दूध संसाधित होता है तो लाखों किसानों के घरों में समृद्धि आती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600